epaper
हिन्दुस्तान

प्रधानमंत्री मोदी और किशिदा के बीच आर्थिक भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा

जापान पांच साल में 3.20 लाख करोड़ निवेश करेगा

दिल्ली के हैदराबाद हाउस में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी पीएम फुमियो किशिदा दस्तावेज साझा करते हुए। • रॉयटर्स

20/03/2022

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। जापान अगले पांच वर्ष में भारत में पांच खरब जापानी येन (करीब 3.20 लाख करोड़ रुपये) का निवेश करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान के पीएम फुमियो किशिदा के बीच शनिवार को हुई 14वीं शिखर वार्ता में इस पर सहमति बनी। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय, क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई और छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

दोनों देशों में स्वच्छ ऊर्जा को लेकर भागीदारी की शुरुआत की गई जिसके तहत जापान इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी तथा स्वच्छ ईधन के क्षेत्र में भारत को सहयोग प्रदान करेगा। जापान भारत को सेब और भारत जापान को आम निर्यात करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त बयान में कहा कि भारत-जापान भागीदारी में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। यह प्रगति ऐसे समय में हुई जब दुनिया कोविड के दुष्प्रभावों से जूझ रही है और रिकवरी में अड़चनें बनी हुई हैं तथा बदलती भू राजनीति ने नई चुनौतियां पैदा कर दी हैं।

मोदी ने कहा-जापान भारत में सबसे बड़े निवेशकों में से एक विश्वस्त साथी है। डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल प्रोजेक्ट में उसका महत्वपूर्ण योगदान है। आर्थिक साझेदारी के तहत 2014 में भारत में 3.5 खरब येन के निवेश का लक्ष्य था जिसे पार कर लिया गया है तथा अब इस महत्वाकांक्षा को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। जापान 3.2 लाख करोड़ का निवेश अगले पांच सालों के दौरान देश में करेगा। हम जापानी कंपनियों को अनुकूल अवसर प्रदान कर रहे हैं। दोनों प्रधानमंत्रियों ने चीन सीमा विवाद और यूक्रेन युद्ध पर भी लंबी बातचीत की।

हमने यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा की, रूसी हमला एक गंभीर मामला है क्योंकि इसने अंतरराष्ट्रीय मानदंडों को हिला दिया है। ताकत के दम पर एकतरफा बदलाव की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। **-फुमियो किशिदा ,** प्रधानमंत्री, जापान

भारत-जापान की सहभागिता सिर्फ दोनों देशों के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि इससे हिन्द-प्रशांत क्षेत्र समेत पूरे विश्व स्तर पर शांति एवं स्थायित्व को प्रोत्साहन मिलेगा।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

P 11

ये छह समझौते हुए: जिन समझौतों पर दस्तखत हुए उनमें साइबर सुरक्षा के लिए सूचनाओं का आदान-प्रदान, जापान इंटरनेशनल के साथ 20400 करोड़ का बड़ा करार। इससे पेयजल, सीवेज, स्वास्थ्य, कनेक्टिवटी की व्यवस्था की जाएगी। तीसरा समझौता डिप्लोमैटिक नोट है जिसमें आर्थिक साझेदारी में बदलाव किए गए हैं। चौथा वेस्टवाटर मैनेजमेंट, 5वां इंडस्ट्रिल कंपिटीटिव पार्टनरशिप रोडमैप तथा छठा सतत शहरी विकास से जुड़ा है।

रिश्ते प्रगाढ़ हुए